आज विश्व हिन्दी दिवस

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

हर पल रहें
ताजा तरीन खबरों के
साथ लॉगिंन करें

WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 15 अंक-222 ● कटनी ● मंगलवार, 14 सितम्बर, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष -8 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

संगठन से सत्ता पर लगाम, व्हीडी का फार्मूला हिट

सत्ता में शामिल भाजपा जनप्रतिनिधि नहीं कर सकेंगे संगठन को नजर अंदाज, देनी होगी जानकारी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी में अब सत्ता के नुमाइंदे संगठन की लगाम के साथ चलेंगे। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा संगठन को तरजीह देने के लिए फुल फार्म में हैं। जिला कार्यालय को पावर सेंटर बनाने के निर्देश तो पहले ही जारी हो चुके थे अब बारी सत्ता में भागीदारी निभाने वालों पर है। सूत्रों के मुताबिक भाजपा विधायक, मंत्री, निगम, मण्डल आदि जनप्रतिनिधियों को साफ कहा गया है कि वह अपने दौरे उद्घाटन समारोह आदि की जानकारी जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं। सिर्फ यही नही ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रमों में जिला, नगर, मण्डल या किसी बड़े पदाधिकारी को अवश्य शामिल करें। वीडी फार्मूला के तहत अब जिला कार्यालय में होने वाले किसी भी कार्यक्रमों में भी विधायकों को शामिल होने के निर्देश जारी हुए हैं। सूत्रों के अनुसार संगठन को तवज्जो देने के लिए प्रदेश अध्यक्ष लगातार कोशिश में जुटे हैं। निश्चित तौर पर वीडी शर्मा की कोशिश कुछ लोगों को रास आएगी तो कुछ को नहीं, पर एक बात तो तय है कि इससे कार्यकर्ताओं का भला जरूर होगा। जिला कार्यालय में विधायक, मंत्रियों के आने-जाने से वह कार्यकर्ताओं से रूबरू तो होंगे ही संगठन स्तर पर मिलने वाली जनहित की समस्या का भी निराकरण होगा

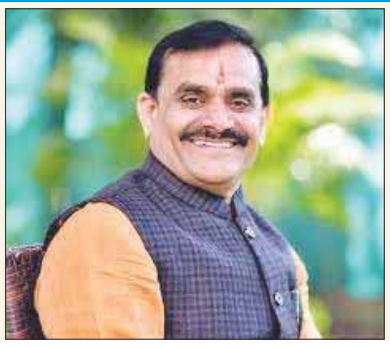

साथ ही सत्ता और संगठन के बीच संवाद भी बना रहेगा। भारतीय जनता पार्टी कैडर बेस पार्टी है। पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी कुछ अंक से पिछड़ गई थी तब यह सवाल उठा था कि पार्टी के कार्यकर्ताओं की कहीं न कहीं नाराजगी थी इसी के बाद से अब हर कार्यकर्ता को किसी न किसी जिम्मेदारी में लगाया जा रहा है ताकि वह उपेक्षित महसूस न करें। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को मजबूत बनाने के साथ बूथ जीतो अभियान में भी यह काफी कारगर कदम होगा। खास बात यह है कि सत्ता के नुमाईंदे इस लिहाज से सीधे जनता के भी टच में रहेंगे। इसे भले ही विधायकों सांसदों मंत्रियों पर संगठन की लगाम जैसे शब्दों से समझा जाये पर भाजपा के लोग इसे बेहतर मानते हैं। आपको बता दें कि आने वाले समय मे पार्टी को निकाय चुनाव में अपना जोर आजमाना है ऐसे में सत्ता के भागीदार लोगों को काम पर लगाने वीडी फार्मूला भाजपा संगठन के लिहाज से बढ़िया हो सकता है।

संगठन मंत्रियों को भाजपा में शामिल कराना बड़ा संकेत

प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से ही वीडी शर्मा निरन्तर संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। भाजपा में जिला या संभाग के संगठन मंत्री अहम होते हैं। पर्दे के पीछे से सत्ता संगठन के साथ संघ के समन्वय की अहम भूमिका में संगठनमंत्री प्रमुख होते हैं। हाल में तीन संगठन मंत्रियों को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में शामिल कर प्रदेश नेतृत्व ने यह भी साफ हो गया कि संगठन मंत्रियों को कभी भी भाजपा की मूल धारा में शामिल कराया जा सकता है। यही नहीं जिला संगठन मंत्रियों के पद को समाप्त कर दिया, दरअसल जिला संगठन मंत्रियों के कारण जिला संगठन काम करने में असहज हो जाता था, लिहाजा अब दो संभागों के एक संगठन मंत्री ही कामकाज देख रहे हैं। कुल मिलाकर बूथ से जिला तक संगठन को सशक्त बनाने के साथ पावर सेंटर बनाने की दिशा में वीडी लगातार कदम उठा रहे हैं, इसी के तहत संगठन मंत्रियों की पार्टी में सीधी एंट्री बड़ा संकेत है।

क्विक अपडेट

रायपुर से दिल्ली जाने वाले विमान से टकराया पक्षी

रायपुर। एयरपोर्ट पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक एआइसी 469 ने जैसे ही दिल्ली के लिए उड़ान भरी वैसे ही एक पक्षी उससे टकरा गया जिससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई। आनन-फानन में फ्लाइट से सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया। बताया जा रहा है कि इस फ्लाइट में केंद्रीय जनजाति विकास राज्यमंत्री रेणुका सिंह भी सवार थीं। उनके निजी स्टाफ ने बताया कि वह केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में शामिल होने दिल्ली जा रही थीं।

पुलवामा में आतंकियों ने किया ग्रेनेड हमला तीन नागरिक घायल

नई दिल्ली। कश्मीर संभाग के पुलवामा में आतंकियों ने मंगलवार को ग्रेनेड हमला किया। यह हमला मुख्य चौक पर तैनात सुरक्षाबलों को निशाना बनाकर किया गया था। हालांकि ग्रेनेड सड़क पर जाकर फटा, जिसकी जद में आने से तीन स्थानीय नागरिक घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। उधर, हमला करने के बाद फरार हुए आतंकियों की तलाश में इलाके की घेराबंदी कर अभियान चलाया जा रहा है।

सीए परीक्षा में एमपी के भाई-बहन ने किया टॉप

ग्वालियर। इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट आफ इंडिया (आइसीएआइ) ने सोमवार को अपनी अंतिम परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए। इसमें शीर्ष के तीन स्थान लड़कियों ने हासिल किए हैं। मध्य प्रदेश के मुरैना की 19 वर्षीय नंदिनी अग्रवाल ने 800 में 614 अंक (76.75 फीसद) हासिल कर टाप किया है। जबकि उनके भाई 21 वर्षीय सचिन अग्रवाल ने देशभर में 18वीं रैंक हासिल की है।

1 लाख पदों पर होंगी भर्तियां: शिवराज सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार जल्द ही राज्य में 1 लाख पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी। इस बात की जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी है। उन्होंने बताया कि रोजगार के अवसर पैदा करने के साथ-साथ उद्यमिता, स्वरोजगार को भी बढ़ावा देने के लिए भर्तियां निकालीं जा रही हैं। मध्य प्रदेश सरकार के जनसंपर्क निदेशालय ने कहा कि निजी क्षेत्र में भी रोजगार के बड़े अवसर दिए जाएंगे।मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता रोजगार है। औद्योगिक विकास और संबंधित निवेश की गति को तेज किया गया है। पिछले 17 महीनों में कोरोना महामारी के बावजूद 384 इकाइयों को 840 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। इसके परिणामस्वरूप 11,000 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश और 22,000 नौकरियां दी गई। औद्योगिक इकाइयों की संख्या में 48 प्रतिशत, भूमि आवंटन में 32 प्रतिशत, पूंजी निवेश में 33 प्रतिशत और देश में रोजगार सृजन में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने सामान्य वर्ग के कल्याण, शिक्षा और रोजगार की योजना बनाने के लिए सामान्य श्रेणी आयोग का गठन किया है।

अफगानिस्तान मसले पर अमेरिका की दो टूक

पाकिस्तान चल रहा दोहरी चाल, भारत के साथ संबंध और करने होंगे मजबूत

वाशिंगटन। पाकिस्तान और तालिबान के बीच गहरी होती दोस्ती अब कई देशों को अखरने लगी है। इसलिए अब अमेरिका ने फैसला किया है कि वह पाकिस्तान को लेकर अपने रिश्तों की समीक्षा करेगा और भविष्य में कैसे रिश्ते पाकिस्तान के साथ रखने हैं यह तय करेगा। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने साफ किया कि तालिबान के साथ पाकिस्तान का जुड़ाव एक रणनीतिक चाल है। इसलिए अमेरिका पिछले 20 सालों में पाकिस्तान की भूमिका की समीक्षा करने के बाद ही कोई फैसला लेगा।

भारत की मौजूदगी से पाकिस्तान को हुआ नुकसान

ब्लिंकन ने अफगानिस्तान में भारत की मौजूदगी की सराहना की। उन्होंने सदन में विदेशी मामलों की समिति को जवाब देते हुए कहा कि अफगानिस्तान में भारत की मौजूदगी से पाकिस्तान को नुकसान हुआ है और खतरनाक गतिविधियों पर असर पड़ा है। रिपब्लिकन कांग्रेस सदस्य मार्क ग्रीन ने कहा कि आईएसआई जिस तरह से तालिबान और हक्कानी नेटवर्क को खुलेआम समर्थन दे रहा है, ऐसे में भारत के साथ मजबूत संबंधों पर विचार करना चाहिए। संसद की विदेश मामलों की समिति में कांग्रेसी सांसद बिल कीटिंग ने कहा कि तालिबान को दोबारा से खड़ा करने में पाकिस्तान 2010 से मदद कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी सैनिकों की मौत में जिस हक्कानी नेटवर्क का हाथ था, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी और इसी हक्कानी नेटवर्क के बीच गठबंधन है।

पाकिस्तान की भूमिका तय करेगी रिश्ते

ब्लिंकन ने सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम पाकिस्तान को बेहतर भूमिका निभाते हुए देखना चाहते हैं। इसलिए आने वाले दिनों में उसकी भूमिका क्या होगी यह हमारे और इस्लामाबाद के रिश्ते को तय करेगा। उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान एक रणनीतिक चाल चल रहा है। एक तरफ वह तालिबान को पाल रहा है तो दूसरी और आतंकी गतिविधियों के खिलाफ हमारे अभियानों में साथ भी दे रहा है। अफगानिस्तान से जल्द सेना वापसी के सवाल पर ब्लिंकन ने कहा कि वहां पर कुछ और साल रहने से कुछ नहीं बदलने वाला था। हमने वहां पर करोड़ों निवेश किया है, सेना और सरकार आत्मनिर्भर नहीं हुए तो आने वाले सालों में भी कुछ नहीं होता।

अब जयराम दिल्ली तलब
हिमाचल में चढ़ा सियासी पारा

नई दिल्ली। भाजपा हाईकमान ने मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को मंगलवार को नई दिल्ली तलब किया है। इससे राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चा है। गुजरात प्रकरण के एकदम बाद जयराम ठाकुर को शिमला पहुंचते ही फिर से बुलाने के इस घटनाक्रम ने प्रदेश के राजनेताओं को चौंका दिया है। कांग्रेस नेताओं को तो इससे सीएम को घेरने का मौका मिल गया है। वे यहां तक कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री जयराम को हटाया जा रहा है। मुख्यमंत्री इससे पहले बुधवार को नई दिल्ली गए थे। उनकी बुधवार देर रात को भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से बात हुई थी। गुरुवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भी हिमाचल आने का न्योता देने और केंद्रीय मंत्रियों से मिलने के बाद वह उज्जैन चले गए थे। रविवार को ही नई दिल्ली से शिमला पहुंचे थे कि उन्हें फिर से हाईकमान का बुलावा आ गया।

रूपाणी की बेटी ने लिखा भावनात्मक पोस्ट

उधर गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की बेटी राधिका ने रविवार को अपने फेसबुक पेज पर एक भावनात्मक पोस्ट लिखकर अपने पिता के संघर्ष के बारे में बताया। राधिका ने लिखा कि मेरे पिता का संघर्ष वर्ष 1979 में शुरू हुआ था। उस दौरान उन्होंने मोरबी बाढ़, अमरेली में बादल फटने की घटना, कच्छ भूकंप, स्वामीनारायण मंदिर आतंकवादी हमले, गोधरा की घटना, बनासकांठा की बाढ़ के दौरान अपनी जान दांव पर लगाकर लोगों की सेवा की। इतना ही नहीं ताउते तूफान और यहां तक कि कोविड के दौरान भी मेरे पिता पूरी जी-जान लगाकर काम कर रहे थे। राधिका ने कहा कि साल 2002 में स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर में आंतकी हमले के वक्त मेरे पिता घटनास्थल पर पहुंचने वाले पहले शख्स थे, वह नरेंद्र मोदी से पहले ही मंदिर परिसर पहुंचे थे।

लोजपा सांसद प्रिंस पासवान के खिलाफ दुष्कर्म मामले में केस दर्ज, चिराग का भी नाम

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद और चिराग पासवान के चचेरे भाई प्रिंस राज पासवान के खिलाफ दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में दुष्कर्म मामले में एफआईआर दर्ज कराई गई है।जानकारी के अनुसार एफआईआर में चिराग पासवान का भी जिक्र है। जानकारी के अनुसार पीड़ित युवती ने लगभग तीन महीने पहले कनॉट प्लेस थाने में प्रिंस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन तब से अब तक मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। अब अदालत के आदेश के बाद कनॉट प्लेस थाने ने प्रिंस पासवान के खिलाफ 9 सितंबर को एफआईआर दर्ज की है। पीड़िता ने

एफआईआर में आरोप लगाया है कि दुष्कर्म के दौरान उसका वीडियो भी बनाया गया था। उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर चुप रहने के लिए कहा जा रहा था। उस पर पुलिस में शिकायत न करने के लिए दबाव बनाया जा रहा था।पीड़िता ने एफआईआर में कहा है कि वह 15 जनवरी को चिराग से मिलने गई थी और उसने ये बात उन्हें भी बताई थी लेकिन उन्होंने इस शिकायत पर ध्यान नहीं दिया। बाद में चिराग ने पीड़िता को किसी तरह की शिकायत करने से भी मना किया था। पीड़िता का आरोप है कि चिराग ने पार्टी अध्यक्ष के पद पर रहते हुए भी इस मामले में संज्ञान नहीं लिया था।

मालगाड़ी के 6 डिब्बे नदी में गिरे, यातायात प्रभावित

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक मालगाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण रेल यातायात प्रभावित हो गया है। रेलवे से जुड़े अधिकारियों ने जानकारी दी है कि पूर्व रेलवे Angul-Talcher Road route की एक मालगाड़ी करीब 6 डिब्बे मंगलवार सुबह पटरी से उतर गए और नदी में गिर गए हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक इस माल गाड़ी में पटरी से उतर गए और एक नदी में गिर गए। उन्होंने बताया कि गेहूं ले जा रही इस मालगाड़ी के 6 डिब्बे तड़के करीब 2.30 बजे नदी में गिर गए। हालांकि इंजन पटरी पर ही था, इसलिए लोको पायलट और अन्य कर्मचारी ने ट्रेन से कूद गए थे।

अगले एक साल पहनना होगा मास्क

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ वीके पॉल ने कहा-यही बचाव

नई दिल्ली। दुनियाभर में पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से जारी कोरोना ने सबकुछ अव्यवस्थित कर दिया है। पढ़ाई से लेकर कामकाज, व्यापार से लेकर नौकरी तक कोरोना ने हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। कोरोना संक्रमण के चलते महामारी की शुरुआत से ही मास्क पहनना हमारी आदत में शामिल हो गया है। इतने समय बीत जाने के बाद अब सभी लोगों के मन में बस एक सवाल है, आखिर कोरोना कब खत्म होगा और इस मास्क से कब छुटकारा मिलेगा? इसी संबंध में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ वीके पॉल का कहना है कि कोरोना महामारी की तीसरी लहर की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है, ऐसे में इस गंभीर खतरे को देखते हुए सभी लोगों को कम से कम अगले साल तक तो

निश्चित रूप से ही मास्क पहनना जारी रखना होगा। कोविड से सुरक्षित रहने के लिए सभी लोगों को कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन जारी रखना आवश्यक है। डॉ वीके पॉल कहते हैं, कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रहने के लिए सभी लोगों को मास्क जरूरी है। जिस तरह से कोरोना के नए वैरिएंट्स सामने आ रहे हैं और तीसरी लहर का खतरा बरकरार है।

पीएम को एमपी देगा टीकाकरण का उपहार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनकी जन्मतिथि पर अनूठा उपहार देने के लिए मध्य प्रदेश ने तैयारी की है। 17 सितंबर से सात दिन में 71 लाख कोरोना टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। 17 सितंबर से सात अक्टूबर तक चलाए जाने वाले विभिन्न अभियानों के लिए पार्टी ने प्रभारियों की नियुक्ति भी की है।

विवाहित जोड़ा बन होटल में चेक-इन, फिर प्रेमिका ने खिड़की से लगा दी छलांग

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन में सोमवार देर रात अपने प्रेमी के आरोप से आहत होकर एक किशोरी ने होटल की तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार मृतक लड़की अपने प्रेमी के साथ महाकालेश्वर मंदिर के पास होटल में चेक इन किया था जहां उसने अपने एक दोस्त को मिलने के लिए बुलाया था। पुलिस के अनुसार दोनों ने एक विवाहित जोड़े के रूप में चेक इन किया था और होटल प्रबंधन को फर्जी पहचान प्रस्तुत की थी। पुलिस ने कहा कि पीड़िता के प्रेमी को उसके अपने दोस्त के साथ संबंध होने का संदेह था, जो कि सोमवार को होटल में उससे मिलने आया था। लड़का ने उसके दोस्त की उपस्थिति में ही उसे बार-बार थप्पड़ मारा, जिसके बाद लड़की ने यह खौफनाक कदम उठाया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

किसानों के विरोध प्रदर्शन पर सख्त हुआ मानवाधिकार आयोग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सोमवार को दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी कर किसानों के विरोध प्रदर्शन की रिपोर्ट मांगी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मुताबिक उन्हें शिकायत मिली हैं कि इन राज्यों में चल रहे किसान आंदोलन की वजह से नौ हजार से अधिक उद्योग बंद हो चुके हैं। यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। जिसकी वजह से लोगों को, मरीजों,बुजुर्गों और दिव्यांगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही बोर्डरों के बंधक होने की वजह से लोगों को ज्यादा दूरी तय करनी पड़ रही है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को यह भी शिकायत मिली है कि इस आंदोलन की वजह से कुछ जगहों पर लोगों को उनके घरों से भी नहीं निकलने दिया जा रहा। इसके अलावा आन्दोलन स्थलों पर कोविड प्रोटोकॉल की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। राज्यों और अधिकारियों को नोटिस देने के अलावा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आर्थिक विकास संस्थान से भी 10 अक्टूबर तक इस आंदोलन की वजह से उद्योग पर पड़े प्रभाव पर एक रिपोर्ट मांगी है।

पीएम मोदी बोले- बचपन में खूब सुना था अलीगढ़ का ताला

अलीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह में हिस्सा लेने के लिए उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा कि जब वे छोटे थे, तो उन्हें यूपी के दो जिलों का नाम काफी सुनाई देता था। इनमें एक अलीगढ़ था, जिसके तालों का जिक्र एक मुस्लिम विक्रेता से सुनने को मिलता था। अलीगढ़ कभी तालों से घरों-दुकानों की सुरक्षा करता था अब डिफेंस कॉरीडोर के बाद वह रक्षा उत्पादों से देश की रक्षा करेगा।

अंग्रेजी, स्पैनिश, मंदारिन के बाद हिंदी दुनिया में चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा

वेब डेस्क। भारत में आज हिंदी दिवस मनाया जा रहा है। अगर आंकड़ों के आधार पर बात करें तो अंग्रेजी, स्पैनिश और मंदारिन के बाद हिंदी दुनिया में चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। सिर्फ भारत ही नहीं, हिंदी बोलने और लिखने वाले लोग इस वक्त फिजी से लेकर नेपाल और दक्षिण अफ्रीका तक मिल जाएंगे। हालांकि, हिंदीभाषियों को बड़ा जमावड़ा भारत में ही है। वह भी अधिकतर आबादी उत्तर भारत में ही बसी है। आखिरी जनगणना के डाटा को आधार बनाएं तो देश में करीब 43.63 फीसदी जनता की पहली भाषा हिंदी पाई गई। यानी आज से 10 साल पहले देश के 125 करोड़ लोगों में से लगभग 53 करोड़ लोग हिंदी को ही मातृभाषा मानते थे।

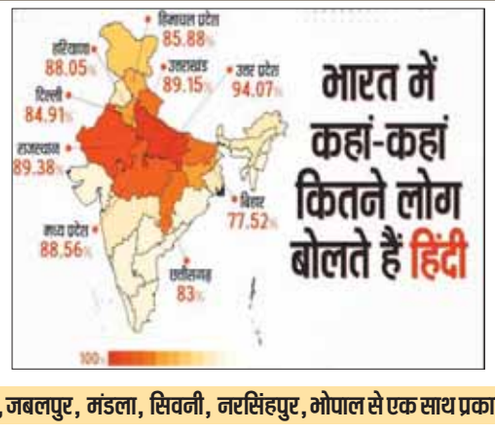

भारत में हिंदी भाषा बोलने वालों की संख्या बढ़ी, बाकियों की घटी

मजेदार बात यह है कि इस जनगणना के आंकड़ों में यह साफ हुआ था कि 1971 से 2011 के बीच हिंदी बोलने वालों की संख्या में 6 फीसदी का इजाफा हुआ, जबकि बाकी सभी भाषाओं को जानने वालों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई। यानी हर दशक में हिंदी जानने वालों की संख्या औसतन 1.5 फीसदी की दर से बढ़ी। अगर पिछले एक दशक में हुई बढ़ोतरी के बाद भारत की आबादी 138 करोड़ तक पहुंचने के अनुमान को सही मान लिया जाए तो इस वक्त हिंदी बोलने वालों की संख्या तकरीबन 80 लाख तक बढ़ी होगी। यानी इतनी आबादी में करीब 54 करोड़ लोगों के हिंदी जानने का अनुमान है। अगर पिछली जनगणना के राज्यवार भाषाई आंकड़े को देखा जाए तो पता लगता है कि कुल हिंदीभाषियों में 90 फीसदी से ज्यादा जनसंख्या भारत के 12 राज्यों में ही है। इनमें उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश सबसे ऊपर हैं। बाकी बची आबादी मध्य भारत से लेकर दक्षिण भारत में छिटपुट बिखरी है। इन चार राज्यों के अलावा राजस्थान (89 फीसदी), छत्तीसगढ़ (83 फीसदी), बिहार (77.52 फीसदी) और झारखंड (61.94 फीसदी) चार ऐसे राज्य हैं, जहां हिंदी जानने वालों की अच्छी-खासी संख्या है। हालांकि, पूर्वोत्तर भारत और तटीय क्षेत्रों से जुड़े ज्यादातर राज्यों में हिंदी का प्रभाव काफी कम है। उधर, उत्तर भारत के दो राज्यों पंजाब (9.35 फीसदी) और जम्मू-कश्मीर (2011 में 20.8 फीसदी) में भी हिंदी बोलने वालों की संख्या गिनी-चुनी ही है। देश के ज्यादातर लोगों का मानना है कि मध्य भारत में भी हिंदी एक प्रमुख भाषा है। हालांकि, आंकड़े चौंकाते हैं, क्योंकि देश के सिर्फ 12 राज्यों में ही हिंदी को मुख्य भाषा के तौर पर चुना गया।

एक दंत दयावंत चार भुजा धारी, मास्तक सिंदुर सोहे मूस की सवारी।।

शास्त्री कॉलोनी में मान्या एवं सौर्य गुप्ता के निवास पर विराजे गणपति।

जालपा वार्ड में अमित सोनी के निवास पर स्थापित गणपति।

शास्त्री कॉलोनी में राम और भविष्य शर्मा के निवास पर विराजे श्री गणेश।

सम्राट गली, सोनी मोनी के निवास पर विराजे गणपति।

रंगनाथनगर में मनीष सिंह के घर पर स्थापित गणेश जी।

गजानन महाराज की आराधना में जुटे बच्चे

दस दिवसीय गणेश पर्व पर घर-घर उत्सव सा माहौल, सुबह-शाम हो रही आरती, बट रहा प्रसाद

कटनी। विघ्नहर्ता भगवान गणेशजी को दुनियाभर में पूजा जाता है और उन्हें ज्ञान का सागर माना जाता है। बच्चों को भी भगवान गणेश से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इस गणेश चतुर्थी पर आप अपने बच्चे को गणेश जी की कई कहानियां सुनाकर उसे कुछ अच्छी सीख दे सकती हैं। इन दिनों शहर सहित जिलेभर में गणेश पर्व की धूम है। बच्चे धूमधाम से पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

सुबह-शाम बच्चे गणपति की पूजा-आरती कर प्रसाद वितरण कर रहे हैं। हर साल बड़ी धूमधाम से गणेश चतुर्थी का त्योहार मनाया जाता है और बच्चों के लिए फेस्टिवल का समय और भी ज्यादा खास होता है क्योंकि खूब मस्ती करने और मिठाईयां खाने का जो मौका मिलता है। खास बात यह है कि पैरेंट्स फेस्टिवल के इस दौरान में बच्चों को कुछ सिखाना भी चाह रहे हैं। पौराणिक कथाओं में गणेशजी को शिक्षा, बुद्धि, ज्ञान, कला का प्रतीक माना गया है और बच्चों के लिए उनसे बेहतर कोई और गुरु हो ही नहीं सकता है।

माता-पिता के महत्व की मिलती है प्रेरणा

वैभव शुक्ला कहते हैं कि उनके पापा कहानी सुनाते हैं कि गणपति के बड़े भाई कार्तिकेय जी को पृथ्वी के तीन चक्कर लगाने के लिए कहा था। इस दौरान गणेशजी ने अपने माता-पिता के ही तीन चक्कर लगा लिए और कहा कि उनके माता-पिता ही उनके लिए पूरा संसार हैं। इस तरह गणेशजी आपके बच्चे को अपने पेरेंट्स को सबसे ज्यादा महत्व देने की प्रेरणा देते हैं।

ज्ञान का हर जगह सम्मान

पीयूष कुमार कहते है कि उनकी मां कहानी सुनाती हैं कि पेरेंट्स और बड़ों का सम्मान करना चाहिए। गणेश जी से क्रिएटिव सोचने और मुश्किल घड़ी में कुछ हटकर सोचने का बढ़ावा मिलता है। इससे यह भी साबित होता है कि शारीरिक कमजोरी जिंदगी में कोई रुकावट नहीं है और आप अपनी बुद्धि और समझदारी से हर स्थिति से निपट सकते हैं। ज्ञान के सागर से आप जीवन की हर मुश्किल और परिस्थिति से निपट सकते हैं। ज्ञान का हर जगह सम्मान किया जाता है। गणेश जी तो ज्ञान और शक्ति का प्रतीक हैं।

मां की आज्ञा पालन का मिलता है ज्ञान

सुयश कुमार कहते हैं कि उनकी मां कहती हैं कि भगवान गणेश अपनी मां का आदेश मानने के लिए अपने ही पिता भगवान शिव से अनजाने में लड़ बैठे थे। इस वजह से भगवान शिव ने गणेश जी का मस्तक काट दिया था। गणेशजी की इस कहानी से पता चलता है कि वो किसी भी स्थिति में अपनी मां के आदेश की अवहेलना नहीं करते थे।

रुकमणी-कृष्ण विवाह में झूमे श्रृद्धालु

हथकुरी में चल रही भागवतकथा स्थल पर था उत्सव सा माहौल

कटनी। रीठी तहसील की ग्राम पंचायत हथकुरी में चल रही संगीतमय श्रीमद भागवत कथा में भगवान कृष्ण और रुक्मिणी विवाह प्रसंग पर आज मंगलवार को उत्सव सा माहौल था। शाम को विवाह प्रसंग पर यहां सुंदर झांकी सजाई गई। पंडित पुष्पेन्द्र कुमार प्यासी यहां व्यासपीठ से कथा कर रहे हैं। मंगलवार को कथा के सातवें दिन उन्होंने भगवान के मथुरा प्रवास, कंस वध, गोपियों और उद्धव प्रसंग तथा रुक्मिणी हरण की कथा सुनाई।

उन्होंने कहा कि वृंदावन का त्याग कर भगवान मथुरा की ओर प्रस्थान करते हैं और वहां कंस के अत्याचारों से लोगों को मुक्त कराते हैं। कंस कृष्ण के मामा थे लेकिन अधर्म के रास्ते पर चलने वाले कंस का वध कर बलराम कृष्ण ने कर्म और धर्म के आगे रिश्ते नातों को भी महत्व न देने की बात कही। कृष्ण वृंदावन से चले गए तो गोपियां विव्हल हो गई। कृष्ण के प्रेम मे वे छटपटा रही थी तब उद्धव को उन्होंने भेजा और गोपियों के मन को शांति दी। रुकमणी के विवाह प्रसंग पर उन्होंने कहा कि रुकमणी भगवान कृष्ण की पहली रानी थी। भागवत कथा में पंडित कौशल प्रसाद प्यासी, डॉ. बालगोविंद शास्त्री, श्रीमती शशिबाई पांडे, धीरज पांडे सहित बड़ी संख्या में भागवत भक्तों ने यहां उपस्थिति दी।

परीक्षित मोक्ष के साथ कथा का समापन 16 को

16 सितंबर गुरूवार को सुबह 9 बजे से कथा शुरू हो जाएगी। सुदामा प्रसंग और परीक्षित मोक्ष की कथा के साथ सप्ताह भर चले आयोजन का समापन होगा। कथा के बाद हवन पूजन होगा और फिर महाप्रसाद वितरित होगा।

स्वशासी महाविद्यालयों में लागू होगा एकीकृत पाठ्यक्रम

कटनी। नए शैक्षणिक सत्र से एकीकृत पाठ्यक्रम प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं स्वशासी महाविद्यालय में समान रूप से लागू होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शैक्षणिक सत्र 2021-22 में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं स्वशासी महाविद्यालय में एकीकृत पाठ्यक्रम लागू होगा। इसके तहत 79 विषयों के कोर्स सम्मिलित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के तहत 79 विषयों के केंद्रीय अध्ययन मंडलों का गठन किया गया। केंद्रीय अध्ययन मंडल द्वारा स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम निर्धारण संबंधी कार्यवाही की गई है। विश्वविद्यालय क्षेत्राधिकार के महाविद्यालयों में 79 विषयों के अतिरिक्त संचालित अन्य विषयों के पाठ्यक्रम का निर्माण उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय स्तर पर गठित अध्ययन मंडल द्वारा किया जाएगा। केंद्रीय अध्ययन मंडल द्वारा तैयार एकीकृत पाठ्यक्रम प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय एवं स्वशासी महाविद्यालय में समान रूप से लागू होगा। समस्त विश्वविद्यालयों एवं स्वशासी महाविद्यालय उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी एकीकृत पाठ्यक्रम को यथावत स्वीकार करते हुए संबंधित विश्वविद्यालय एवं स्वशासी महाविद्यालय में गठित अध्ययन मंडल के माध्यम से स्थानीय आवश्यकताओं और विशेषज्ञता के आधार पर पाठ्यक्रम में 20 प्रतिशत वृद्धि कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इन सिलेबस को तैयार करने के लिए 350 से अधिक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई थी।

महंगाई को लेकर कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

रैली निकालकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

विजयराघवगढ़। प्रदेश में लगातार बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी को लेकर कांग्रेस द्वारा जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के सामने प्रदर्शन करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचकर महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि डीजल, पेट्रोल, खाद्यान्न तेल, अनाज एवं रसोई गैस सिलेंडर के दाम लगातार आसमान छू रहे हैं। महंगाई की मार से आम आदमी की कमर टूट रही है। सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रही महंगाई से आम आदमी के घर का बजट बिगड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान मध्यप्रदेश कांग्रेस सचिव श्याम तिवारी, महिला जिला कांग्रेस अध्यक्ष माया चौधरी, शिवकुमार तिवारी, सुरेंद्र दुबे, शाहिद खान, शहजाद खान, ब्लॉक कांग्रेस बरही के अध्यक्ष संजय बिलौंहा, शरद द्विवेदी, विकास पांडे, गुड्डा द्विवेदी, अजीत सिंह, विपिन तिवारी, मनोज तिवारी, अमित सिंह बघेल, ओमप्रकाश रावत, सोमनाथ मिश्रा, सरवर खान, कुक्कु मौलाना सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।

जिले में अब तक कुल 602.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में 1 जून से 13 सितम्बर तक 602.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। गतवर्ष इस अवधि में 779.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

गौरतलब है कि जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1124.4 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 1 जून से 13 सितम्बर तक जिले के तहसीलवार वर्षा मापी केन्द्र कटनी में 497.0 मिलीमीटर, रीठी में 556.7 मिमी, बड़वारा में 790.0 मिमी, बरही में 717.0 मिमी, विजयराघवगढ़ में 751.4 मिमी, बहोरीबंद में 511.1 मिमी, स्लीमनाबाद में 414.0 मिमी और वर्षामापी केन्द्र ढीमरखेड़ा 613.7 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में जिले मे कुल 5.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिसमें कटनी तहसील क्षेत्र अंतर्गत 5.2 मिमी, रीठी तहसील क्षेत्र अंतर्गत 4.5 मिमी, बड़वारा तहसील अंतर्गत 16.0 मिमी, बरही तहसील क्षेत्र अंतर्गत 9.0 मिमी, विजयराघवगढ़ तहसील क्षेत्र अंतर्गत 5.5 मिमी, बहोरीबंद क्षेत्र अंतर्गत 3.5 मिमी और ढीमरखेड़ा क्षेत्र अंतर्गत 2.5 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। वहीं स्लीमनाबाद तहसील क्षेत्र में निरंक वर्षा दर्ज की गई है।

श्रमोदय आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए परिणाम घोषित

कटनी। श्रमोदय आवसीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा परिणाम 7 सितम्बर को घोषित किये जा चुके हैं। यह परीक्षा परिणाम श्रमोदय पोर्टल पर उपलब्ध करा दिये गये हैं। प्रवेश परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को विद्यालय स्तर से प्रवेश के आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होकर आवश्यक कार्यवाही के लिये श्रमोदय विद्यालय संचालन समिति द्वारा कहा गया है। इसके लिये चयनित अभ्यर्थियों को 13 सितम्बर से 25 सितम्बर तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश जारी किये गये हैं। जिसके बाद 30 सितम्बर 2021 तक प्रवेशित विद्यार्थियों की जानकारी श्रमोदय विद्यालय संचालन समिति भोपाल को प्रेषित की जायेगी।

महिला हितग्राहियों को उज्जवला योजना का लाभ देने शिविरों का आयोजन

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित होंगे शिविर

कटनी। शासन द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 2.0 को लेकर पात्र हितग्राहियों को लाभ देने जिले भर में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। 15 सितंबर से पूर्व कार्रवाई पूर्ण की जानी है और इसको लेकर शिविरों में उज्जवला योजना की महिला हितग्राहियों के आवश्यक दस्तावेज जिले भर में गैस एजेंसियों के सहयोग से शिविर लगाकर आवेदन जमा कराए जा रहे हैं। उज्जवला योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों की श्रेणी में एसईसीसी 2011 की सूची में शामिल महिलाओं, अनुसूचित जाति, जनजाति गृहस्थी, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही, अन्त्योदय अन्न योजना, वनवासी, अति पिछड़ा वर्ग, चाय एवं पूर्व चाय बागान जनजातियां, द्वीप व नदी द्वीप में निवासरत को भी शामिल किया गया है। नगर निगम सीमा क्षेत्र में गैस एजेंसियों के माध्यम से सातों दिन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि कटनी गैस कटनी एजेंसी द्वारा नगर निगम उप कार्यालय जोन 04 माधवनगर व कलेक्ट्रेट परिसर में, पुरूषोत्तम गैस एजेंसी नई बस्ती द्वारा नगर निगम उप कार्यालय जोन 03 दुर्गा चैक खिरहनी व शासकीय उचित मूल्य दुकान रफी अहमद किदवई वार्ड, गुप्ता गैस एजेंसी बस स्टैंड द्वारा नगर निगम आडिटोरियम, कृषि उपज मंडी प्रांगण में, कटनी इंडेन चांडक चैक द्वारा नगर पालिक निगम कार्यालय, एनकेजे रेलवे हास्पिटल, उषा गैस एजेंसी द्वारा नगर निगम जोन आफिस 01 टीसी बजान स्कूल व पुरानी कचहरी, अशोक गैस एजेंसी बरगवां द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान हाउसिंग बोर्ड कालोनी में प्रतिदिन शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्र के शिविर स्थल

ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक कार्रवाई के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। 14 सितंबर को ढीमरखेड़ा विकासखंड के ढीमरखेड़ा में जय मां कंकाली एजेंसी, उमरियापान में मां त्रिपुर सुंदरी गैस एजेंसी, सिलौड़ी में सिलौंड़ी इंडेन ग्रामीण वितरक गैस एजेंसी द्वारा शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं विकासखंड बहोरीबंद में 14 सितंबर को बरही में समर्थ सेवा गैस एजेंसी, बहोरीबंद में सत्य साई एजेंसी और स्लीमनाबाद में शुभ भारत ग्रामीण वितरक द्वारा शिविर का आयोजन किया जाएगा। विकासखंड रीठी में मंगलवार को घुड़हर में अनुज भारत गैस ग्रामीण वितरक, पाली में इंद्र भारत गैस एजेंसी, गोदाना में गोदाना इंडेन गैस एजेंसी द्वारा शिविर आयोजित किया जाएगा। विकासखंड बड़वारा के चपना गांव में अपूर्वा गैस एजेंसी बरही, बरमानी में शांति गैस एजेंसी खितौली, गुड़ाकलां में चंद्रकांता गैस एजेंसी मझगवां, गणेशपुर में विलायतकला इंडेन ग्रामीण वितरक विलायतकला, खिरहनी गांव में अमिता एचपी गैस ग्रामीण वितरक छिंदहाई पिपरिया द्वारा शिविर का आयोजन किया जाएगा।

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT-Epaper

दादा टीका लगवाओगे, तब होगा कोरोना महमारी से बचाव

टीकाकरण को लेकर लोगों को जागरूक करने जिले के अधिकारियों ने संभाली कमान

कलेक्टर ने ढीमरखेड़ा तहसील के गांवों में किया ग्रामीणों से संवाद

कटनी। राज्य शासन का प्रयास है कि सितंबर माह के अंत तक प्रदेश का हर व्यक्ति कोरोना महामारी से सुरक्षित हो। इसको लेकर टीकाकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार लगातार अभियान चलाकर और लोगों को जागरूक कर वैक्सीन के दोनों डोज लगवाने के लिए प्रेरित करने में लगी हुई है। जिले में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अगुवाई में जिला स्तर व विकासखंड स्तर के अधिकारियों ने शत प्रतिशत टीकाकरण के लिए फील्ड की कमान संभाली है। सोमवार से जिले में टीका संवाद कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। जिसमें सुबह 9 बजे से कलेक्टर श्री मिश्रा सहित सीईओ जिला पंचायत, एडीएम व अन्य जिला स्तर के अधिकारियों ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों को भ्रमण कर लोगों से संवाद किया और उन्हें 17 सितंबर को आयोजित हो रहे टीकाकरण महा अभियान में टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने ढीमरखेड़ा तहसील के गांवों को भ्रमण कर लोगों से चैपाल लगाकर संवाद किया और लोगों के घरों में जाकर टीकाकरण संबंधी जानकारी ली। उन्होंने गांव के बुजुर्गों से विशेष रूप से चर्चा की और कहा कि दादा आप टीका लगवाओ और

अपने परिवार को भी प्रेरित करो, तभी आपका परिवार और गांव कोरोना महामारी से सुरक्षित हो पाएंगे। कलेक्टर ने ढीमरखेड़ा ब्लाक के ठिर्री गांव में पहुंचकर आदिवासी मोहल्ले में लोगों से संवाद किया। यहां पर महिला दुर्गा वंशकार ने बताया कि वे व्रत होने के कारण टीका लगवाने आज नहीं गई हैं और मंगलवार को हरहाल में वैक्सीन लगवाएंगी। गांव के खुशीलाल बाल्मीक ने बताया कि पंचायत सचिव आए थे और वे टीका लगवाने ही केन्द्र जा रहे हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने ठिर्री गांव के अलावा झिन्ना पिपरिया, झिर्री गांव का भ्रमण किया और चैपाल लगाकर ग्रामीणों को वैक्सीनेशन को लेकर जागरूक किया और लोगों से टीके के दोनों डोज अनिवार्य रूप से लगवाने की अपील की। सीईओ जगदीश चंद्र गोमे ने जिले के विजयराघवगढ़ क्षेत्र के ग्राम बरेहटा सहित अन्य गांवों में टीका संवाद कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें टीकाकरण कराने प्रेरित किया। उन्होने कहा कि सभी लोग वैक्सीन के दोनों डोज अवश्य लगवाएं। एडीएम रोमोनुस टोप्पो ने भी संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत रीठी व बहोरीबंद तहसील के एक दर्जन से अधिक गांवों को भ्रमण किया और घर-घर जाकर लोगों को वैक्सीनेशन कराने के लिए जागरूक किया।

मोबाइल टीमों की भी की गई है व्यवस्था

26 सितंबर तक पूरे प्रदेश में सरकार ने शत प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य रखा है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि 17 सितंबर को एक बार फिर से महा वैक्सीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा रोजाना भी निर्धारित टीकाकरण केन्द्रों में वैक्सीनेशन का कार्य जारी है। वृद्ध, दिव्यांग जो केन्द्रों में नहीं पहुंच पा रहे हैं, उनके लिए मोबाइल टीमें घर जाकर वैक्सीन लगाने का कार्य करने में जुटी हैं।

जिला स्तरीय अधिकारियों ने भी किया संवाद

कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ व एडीएम के अलावा जिला स्तर के विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने भी गांव-गांव जाकर लोगों को टीकाकरण के लिए जागरूक किया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. आरके सिंह, महिला सशक्तिकरण अधिकारी वनश्री कुर्वेती, जिला आबकारी अधिकारी अनिल जैन, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नयन सिंह, एनआरएलएम जिला प्रबंधक शबाना बेगम, खनिज अधिकारी संतोष सिंह सहित जिला स्तर के 29 अधिकारियों ने उनके निर्धारित किए गए क्षेत्रों का भ्रमण किया और शत प्रतिशत टीकाकरण के लिए गांवों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों, संकट प्रबंधन समूह, ग्राम स्तर के कर्मचारियों के साथ शेष बचे व्यक्तियों को प्रेरित करने के लिए संवाद किया।

इसलिए जरूरी हैं वैक्सीन के दोनों डोज

टीका संवाद के दौरान इस बात की भी जानकारी लोगों को दी गई कि वैक्सीन के दोनों डोज क्यों जरूरी हैं। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर बताया कि वैक्सीन के दोनों डोज लगने के बाद अस्पताल में भर्ती होने की दर में 95 प्रतिशत और संभावित मृत्यु दर में 98 प्रतिशत की कमी आई है। जिन नागरिकों को टीके की प्रथम डोज लग चुकी है, उनकी प्रतिरोधक क्षमता लगभग 40 से 60 प्रतिशत और जिनको दोनों डोज लग चुके हैं, उनकी एंटीबॉडी 93 प्रतिशत के साथ अधिक मजबूत होना पाई गई है। जिन्हें एक भी टीका नहीं लगा है, ऐसे नागरिकों को कोरोना का संक्रमण जल्दी पकड़ेगा और वह गंभीर भी हो सकता है।

अब निवेशकों के सब्र का बांध टूट रहा

सहारा निवेशकों को नहीं हो रहा जमा राशि का भुगतान

विजयराघवगढ़। सहारा इंडिया को-ऑपरेटिव सोसाइटी के जमा कर्ताओं की राशि का भुगतान नहीं हो रहा है। निवेशकर्ताओं ने जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी के जमाकर्ताओं ने विजयराघवगढ़ एसडीओपी कार्यालय द्वारा मांगे गए आवेदन के अनुसार अपनी-अपनी जमा रकम प्राप्त करने के लिए कार्यालय में जुलाई 2020 में आवेदन किया था। इस दौरान सक्षम अधिकारी द्वारा दिसंबर 2020 तक भुगतान मिल जाने का आश्वासन जमाकर्ताओं को दिया गया था, लेकिन न तो जिला प्रशासन द्वारा और न ही कंपनी द्वारा किसी भी तरह का आज तक भुगतान नहीं किया गया, तत्पश्चात 26 जनवरी को विधायक व कलेक्टर को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया।

कलेक्टर द्वारा कुछ व्यक्तियों के भुगतान से संबंधित आदेश 30 जनवरी को प्रबंध निदेशक सहारा इंडिया क्रेडिट को-आपरेटिव सोसाइटी सहारा भवन कपूर्थला कंपलेक्स अलीगंज लखनऊ उत्तरप्रदेश व सेक्टर प्रबंधक सहारा इंडिया को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड सिविल लाइन को आदेश किया गया कि उसके बाद भी जमाकर्ताओं को किसी भी प्रकार का भुगतान कंपनी द्वारा नहीं किया गया। मार्च माह में भुगतान की बात कार्यालयों द्वारा मौखिक रूप से प्राप्त होती रही, इसके बाद सहारा कंपनी द्वारा एक वीडियो प्रसारित कर सितंबर तक भुगतान करने की बात कही गई लेकिन आज तक न तो किसी जमाकर्ता से संपर्क किया गया और न ही किसी भी प्रकार का भुगतान जमाकर्ताओं को प्राप्त हो पाया। कलेक्टर के आदेशों की भी अवहेलना कंपनी द्वारा की गई। इस पूरी प्रक्रिया के फलस्वरुप नगर में निवेशकों द्वारा भारी आक्रोश की स्थिति बन रही है। निवेशकर्ता अपने खून पसीने की कमाई के संग्रहण के पश्चात उसके भुगतान के लिए आज निवेशक दर-दर भटक रहा है। उसकी आर्थिक स्थिति भी अत्यंत दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी है। जमा रकम की परिपक्वता लगभग 5-6 वर्ष से अधिक हो चुके है। एजेंट द्वारा कंपनी के माध्यम से निवेशकों को पेमेंट हेतु कोई भी प्रयास नहीं किए जा रहे। अब निवेशकों के सब्र का बांध टूट चुका है। अब केवल आंदोलन की राह पकड़ने मजबूर हो है। शासन, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों से निवेशकों की अपेक्षा है कि हमारी रकम कंपनी द्वारा शीघ्र अति शीघ्र दिलवाई जाय अन्यथा क्षेत्र भर के निवेशक एकजुट होकर आंदोलन करने बाध्य हो जाएंगे।

एमपीटीएएसी पोर्टल पर अजा वर्ग के हितग्राही कराए प्रोफाइल पंजीयन

कटनी। जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण ने बताया कि आयुक्त अनुसूचित जाति विकास मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के तहत अनुसूचति जाति वर्ग हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से एमपीटीएएससी पोर्टल संचालित किया जा रहा है। जिसमें अनुसूचति जाति कल्याण की योजनाओं को शामिल किया गया है। एमपीटीएएससी पोर्टल में अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों का प्रोफाईल पंजीयन अनिवार्य किया गया है। इस पोर्टल में अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को प्रोफाईल पंजीयन कराने के लिये कहा गया है।

21 सितम्बर से पुन: शुरू होगी जनसुनवाई

कटनी। अपर कलेक्टर रोमोनुस टोप्पो ने बताया कि वर्तमान में कोविड-19 संक्रमण की दर में कमी होने से 21 सितम्बर 2021 से जनसुवाई पुन: प्रारंभ की जायेगी। जनसुनवाई में दौरान उपस्थित होने वाले प्रत्येक आवेदक व आवेदिकाओं को कोविड-19 के तहत शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। उल्लेखनीय है कि शासन के आदेशानुसार जिला कार्यालय कटनी में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई कोविड-19 संक्रमण के प्रभावशील होने के कारण नहीं की जा रही थी।

सवारी बसों में एक प्रवेश द्वार दिव्यांगों के लिए हो

कटनी। प्रदेश के निःशक्तजन आयुक्त संदीप रजक ने सोमवार को दिव्यांदग एवं पुनर्वास केन्द्र के विषय विशेषज्ञ एवं सामाजिक न्याय विभाग कटनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर जिले में सामाजिक योजनाओं के संचालन एवं दिव्यांगों के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली शासकीय सुविधाओं की समीक्षा की। बैठक में श्री रजक ने कहा कि सवारी बसों में दिव्यांगजनों को सहुलियतपूर्ण आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रत्येक बस में एक प्रवेश द्वार बाधा रहित बनाया जाए अथवा चलित बाधा रहित रैम्प बस स्टैंड पर उपलब्ध हो। ताकि दिव्यांगजन आसानी से सवारी बसों में प्रवेश अथवा निर्गम कर सके। उन्होंने कहा कि बस स्टेंड पर भी समुचित रैम्प की सुविधा उपलब्ध हो। सभी शासकीय कार्यालयों में दिव्यांगों के आने-जाने के लिए बाधा रहित सुविधा (रैम्प) का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के कार्यालयों में भी दिव्यांगों के सहूलियत के लिए इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध हों। यथासंभव इन कार्यालयों में व्हील चेयर भी मौजूद रहे। श्री रजक ने कहा कि सवारी बसों में शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगों के लिए किराए में 50 प्रतिशत की छूट अनिवार्य रूप से दी जाए। उन्होंने

संवेदनशीलता के साथ पात्र दिव्यांगों मिलेगी सहायता

कहा कि दिव्यांगों का यूडीआईडी कार्ड होना बहुत जरूरी है। सभी दिव्यांगों के यूडीआईडी कार्ड बनाए जाना सुनिश्चित किया जाए। जिस पर विभागीय कर्मचारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में जारी हो रहे समस्त दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र डिजीटल पद्धति से जारी किये जा रहे, जिससे तत्समय ही यू.डी.आई.डी. कार्ड जनरेट होते जा रहे है, साथ ही यू.डी.आई.कार्ड के संबंध में आ रही समस्याओं के बारे में आयुक्त महोदय अवगत कराया गया सज्ञान लेकर समस्यार का त्वहरित निराकरण का अश्वासन दिया गया। बैठक में श्री रजक ने कोविड वैक्सीनेशन के लिए भी दिव्यांगों को प्राथमिकता से वैक्सीनेशन की सुविधा दी जाए। वैक्सीनेशन केन्द्रों पर जो दिव्यांग टीकाकरण के लिए आ रहे हैं, उनको टीकाकरण करवाने में कोई अड़चन न आए। श्री रजक ने सिनेमाघरों, बैंक, मॉल इत्यादि में दिव्यांगजनों के लिए रैम्प की सुविधा होने की आवश्यकता जताई। साथ ही निःशक्तजन संबंधी योजनाओं के प्रचार प्रसार पर जोर दिया गया एवं इस दौरान उन्होंने सामाजिक सहायता योजना एवं दिव्यांगों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन योजनाओं में पात्रों का भौतिक सत्योपन पूरी संवेदनशीलता के साथ करते हुए पात्र दिव्यांगजन को लाभ अथवा सहायता प्रदान की जाए।

बिना पंजीयन हो रहा था खाद्य पदार्थों का विक्रय , प्रशासन ने लगाया अर्थदंड

कटनी। न्याय निर्णायक अधिकारी एंव अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रोमोनुस टोप्पो ने जिले के माधवनगर क्षेत्र अंतर्गत संचालित दो प्रतिष्ठानों के विरुद्ध अर्थदण्ड अधिरोपित किया है। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत बस स्टेण्ड पिपरियाकलां तहसील बरही में संचालित प्रो. ओम तत्सत साल्ट एण्ड स्वीट बस स्टेण्ड पर 5 हजार रुपये तथा शहरी क्षेत्र कटनी के जयप्रकाश वार्ड में संचालित मेसर्स न्यू स्वामी स्वीट्स पर 25 हजार रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित कर आदेश जारी किया गया है।

जारी आदेश के तहत बरही तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिपरियाकला में संचालित प्रो. मेसर्स ओम तत्सत साल्ट एण्ड स्वीट बस स्टेण्ड द्वारा बिना खाद्य पंजीयन खाद्य कारोबार का संचालन एवं विक्रय किया जा रहा था। जिस पर संबंधित प्रतिष्ठान पर 5 हजार रुपये की अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। इसी प्रकार कटनी शहरी क्षेत्र अंतर्गत जयप्रकाश वार्ड गोल बाजार में संचालित न्यू स्वामी स्वीट्स द्वारा मिथ्याछाप खाद्य पदार्थ नमकीन का विक्रय किये जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान पर 25 हजार रुपये का अर्थदण्ड लगाया गया है। दोनों ही प्रतिष्ठानों को निर्देशित किया गया है कि वे अर्थदण्ड की राशि निर्धारित ट्रेजरी चालान के माध्यम से 30 दिवस के भीतर जमा कर चालान की प्रति प्रस्तुत करें। राशि जमा ना करने की दशा में लोक धन शोध अधिनियम के तहत राशि की वसूली की जायेगी।

राकेश दुबे प्रांताध्यक्ष निर्वाचित

कटनी। मप्र शासकीय अध्यापक संगठन के प्रांताध्यक्ष का निर्वाचन 12 सितंबर को भोपाल में सम्पन्न हुआ। संगठन के समस्त जिला अध्यक्ष, संभागीय अध्यक्ष एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्यों की उपस्थिति सम्पन्न हुए उक्त निर्वाचन में राकेश दुबे निर्वरोध रूप से प्रांताध्यक्ष निर्वाचित हुए। शासकीय अध्यापक संगठन के प्रांतीय प्रवक्ता सूर्यकांत त्रिपाठी एवं संगठन मंत्री मनीष ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि शिक्षा, शिक्षार्थी, शिक्षालय और शिक्षक का सम्पूर्ण विकास के प्रणेता कटनी निवासी राकेश दुबे संगठन के सफर में जिलाध्यक्ष, प्रांतीय महामंत्री, कार्यकारी प्रांताध्यक्ष होते हुए संगठन के प्रांताध्यक्ष निर्वाचित हुए। उक्त निर्वाचन पर प्रांतीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, राज्य शिक्षक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राकेश रंजन परौहा, कार्यकारी अध्यक्ष बालमुकुंद त्रिपाठी, शासकीय अध्यापक संगठन के मनीष सोनी, जिलाध्यक्ष रजनीश तिवारी, प्रांतीय महामंत्री जगत पटेल, अनिल परौहा, शैलेंद्र खम्परिया, अरुण सिंह परिहार, राजाराम सोनकर सहित सभी साथियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के मामले ने तूल पकड़ा, रोशन नगर के लोगों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञाप

कटनी। रोशन नगर में श्री राम जानकी हनुमान वार्ड क्रमांक 18 ग्राम खिरहनी में तिलक कॉलेज से रोशन नगर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग की शासकीय भूमि पर कब्जे की शिकायत व विक्रय पर रोक लगाए जाने बाबत रोशन नगर के निवासियों ने कलेक्टर, एसडीएम कटनी, तहसीलदार कटनी नगर, नजूल तहसीलदार कटनी, आयुक्त नगर निगम को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। सौंपे गए ज्ञापन की प्रतिलिपि भी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को प्रेषित की है। शिकायतकर्ता उमाशंकर सिंह ने बताया कि रोशन नगर में मुख्य पर चौबे मार्केट के सामने मुख्य मार्ग की शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण कर कब्जा कर विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है। रोशन नगर निवासी उमाशंकर सिंह, विजय सोनकर, के एल तिवारी, महेंद्र मिश्रा, निर्मल दिवाकर, अभय चौबे, संजीव कुमार व स्थानीय निवासियों द्वारा तहसीलदार कटनी नगर को की गई थी। शिकायत के आधार पर तहसीलदार द्वारा स्थगन आदेश दिया जा चुका है।

क्षेत्रीय निवासियों ने ज्ञापन के माध्यम से अनुरोध किया है कि उक्त संबंध में संबंधित पटवारी को दिशा निर्देश जारी करें और किये गए अतिक्रमण को हटाने हेतु नगर निगम के अतिक्रमण दस्ता को निर्देशित किया जाए साथ ही संबंधित उप पंजीयक को भी ग्राम खिरहनी रोशन नगर श्री राम जानकी हनुमान वार्ड क्रमांक 18 के उपरोक्त खसरे की रजिस्ट्री में भी रोक लगाने के लिए निर्देशित किया जाए।

किराये से देना है
सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति
सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति
पता- बीजेपी कार्यालय के सामने
जबलपुर रोड बरगवां कटनी (म.प्र.)
मो. 8109417340

कार्यालय रिटर्निंग ऑफिसर संगिनी साख सह. समिति मर्या. कटनी पं.क्र. 250
संगिनी साख सह. समिति मर्या. कटनी पं.क्र. 250 के संचालक मंडल, पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम सूचना का प्रकाशन।
दिनांक- 09.09.2021

(1) आमसभा की सूचना एवं कार्यक्रम जारी किया जाना दिनांक **09.09.2021,** (2) नामांकन पत्र प्रस्तुत किया जाना दिनांक **16.09.2021,** (3) नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध नामांकन पत्रों की सूचना का प्रकाशन दिनांक **17.09.2021,** (4) नामांकन पत्रों की वापसी, चुनाव लड़ने वाले अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्हों का आंवटन दिनांक **18.09.2021** (5) विशेष साधारण सम्मेलन में मतदान एवं मतगणना दिनांक **23.09.2021** (6) रिक्त स्थानों हेतु सहयोजन दिनांक **24.09.2021** (7) अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु सूचना जारी किया जाना दिनांक **24.09.2021** (8) अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का निर्वाचन दिनांक **27.09.2021**। उक्त सभी कार्यक्रम संस्था कार्यालय कटनी में संपन्न होंगे। संस्था के समस्त सदस्यों को निर्वाचन कार्यक्रम की सूचना संस्था प्रेषित की जा रही है।

ज्योति सोनी (रिटर्निंग ऑफीसर)
संगिनी साख सहकारी समिति मर्यादित कटनी पं.क्रं. 250

एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित
mgm HOSPITAL
एम.जी.एम. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर
(A Unit of Katni Hospital Pvt. Ltd.)
कचहरी चौराहा, फारेस्टर प्लेग्राउंड के सामने, कटनी (म.प्र.) फोन : 07622-405070-71-72 मो. 9424957890

अस्थि रोग | शल्य चिकित्सा | स्त्री रोग | हृदय रोग | सामान्य चिकित्सा | फिजियो थेरेपी | शिशु रोग | दंत रोग | मस्तिष्क रोग | नेत्र रोग

एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग
Ph. : 07622 - 405074, Mob. 7771001902
Email. : mgmnursingkte@gmail.com | Website : mgmnursingcollege.com
जिले के सर्वप्रथम पोस्ट बेसिक BSc.नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ
डिप्लोमा जी.एन.एम. नर्सिंग उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पोस्ट बेसिक BSc.
डिग्री नर्सिंग कोर्स करने का सुनहरा अवसर दो वर्षों में BSc. नर्सिंग करें।

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	शैक्षणिक अर्हता
1	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	4 वर्ष	12 वीं (बायोलॉजी)
2	जी.एन.एम. (नर्सिंग)	3 वर्ष	12 वीं
3	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी.(नर्सिंग)	2 वर्ष	GNM उत्तीर्ण

छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन द्वारा नियमानुसार प्रदान की जाती है
SC / ST/ OBC
छात्रावास एवं मेस (भोजन) की सुविधा
जिला अस्पताल कटनी, मनोरोग चिकित्सालय इंदौर में प्रशिक्षण
मान्यता प्राप्त - इण्डियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली, म.प्र. चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, म.प्र. स्टेट नर्सिंग काउंसिल भोपाल, म.प्र.मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर

पश्चिम मध्य रेल में सबसे तेज गति से दौड़ रहीं मालगाड़ियां

कटनी। पश्चिम मध्य रेल द्वारा पिछले कुछ वर्षों में रेल पटरियों एवं आधारभूत संरचनाओं का तेज गति से विकास किया जा रहा है, जिसके कारण पूरे भारतीय रेल पर मालगाड़ियों की औसत गति पश्चिम मध्य रेल पर सबसे अधिक हो गई है। अर्थात पश्चिम मध्य रेल पर मालगाड़ियां अधिक गति से अपने गंतव्य की ओर चल रही है, जिससे माल का परिवहन शीघ्र हो रहा है और व्यापरियों को उनका माल जल्दी प्राप्त हो रहा है। पिछले 5 महीनों से पमरे पर फ्रेट ट्रेपन की औसत गति 59.27 किमी प्रति घंटे बनाये हुये है। माह अगस्त 2021 में पश्चिम मध्य रेल पर मालगाड़ियों की औसत गति 60.16 किमी प्रति घंटे रही, जबकि गत वर्ष अगस्त 2020 में मालगाड़ियों की औसत गति 52.80 किमी प्रति घंटे थी, जो इस वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। पिछले पांच महीनों में पश्चिम मध्य रेल लगातार मालगाड़ियों की औसत गति को भारतीय रेल में सर्वोच्च स्थान बनाये हुये है। पश्चिम मध्य रेल में विद्युतीकरण का 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। तीनों मण्डलों के मुख्य रेलखण्डों बीना कटनी, इटारसी बीना, बीना कोटा, भोपाल बीना एवं नागदा मथुरा रेलखंडों पर मालगाड़ियों की 75 केएमपीएच अधिकतम गति सीमा बढ़ाई गई है। दोहरीकरण का कार्य सतना-कैमा, न्यूकटनी-कटंगीखुर्द रेलखंडों पर और तिहरीकरण का कार्य सागर-नारियावाली, लिधोराखुर्द-मकरोनिया, हरदुआ-रीठी एवं खुरई-मालखेड़ी रेलखण्डों पर कार्य पूर्ण किया गया है। इंटरमीडिएट ब्लॉक सिगनल का कार्य कटंगीखुर्द-सलहना के ब्लॉक सेक्शनों में स्थापित किया गया है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा मालगाड़ियों की औसत गति बढ़ाने के लिए परिचालन सुधार और योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया है, जिसमे क्रू बदलने के स्थान का युक्तिकरण किया गया है। अधिक लम्बी मालगाड़ियां लॉन्ग हॉल एवं क्रेक ट्रेन का संचालन किया गया है। ट्रैफिक ब्लॉक का अधिकतम उपयोग किया गया है। टर्मिनल में देरी होने पर विश्लेषण और टर्मिनल पर त्वरित लोडिंग, अनलोडिंग करना एवं इंटरचेंज प्वाइंट पर डिटेंशन कम करना आदि उपाय किए गए है। पश्चिम मध्य रेल पर मालगाड़ियों की औसत गति में लगातार उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए पमरे महाप्रबंधक शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्षों और मण्डलों के मण्डल रेल प्रबंधक के टीम वर्क के साथ कार्य करने की काफी सराहना मिली है।

औसतन 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बनाया नया रिकार्ड

जल भराव क्षेत्रों की जानकारी जुटाने बनेगा कन्ट्रोल रुम

कटनी। डेंगू रोग की रोकथाम और आवश्यक उपाय किए जाने को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल, पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत जगदीश चंद्र गोमे मौजूद थे। बैठक में विधायक श्री जायसवाल ने कहा कि शहर के जिन स्थानों पर जलभराव है और पानी रूका हुआ, ऐसे स्थानों से पानी की निकासी बीमारी से बचाव के लिए अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नगर निगम इसको लेकर कन्ट्रोल रुम नंबर जारी करे ताकि लोग जलभराव वाले स्थानों की जानकारी दे सकें। विधायक ने कहा कि जिले के विभागों का आपस में समन्वय जरूरी है, जिससे मरीज सामने आते हैं तो वे किस स्थान के रहने वाले हैं, इसकी जानकारी तत्काल संबंधित निकाय को दी जा सके और वहां पर बीमारी की रोकथाम के लिए काम हो सके। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में जहां कहीं पर भी निजी प्लांटों में पानी भरा है, उनके प्लाट मालिकों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि आमजन कहीं पर भी पानी ठहरा हुआ देखें तो उसकी फोटो जनसंपर्क विभाग के फेसबुक व ट्वीटर एकाउंट पर अपलोड कर भी जानकारी दे सकते हैं। बैठक में मौजूद अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने भी डेंगू से बचाव को लेकर अपने सुझाव रखे। इससे पहले जिला मलेरिया अधिकारी शालिनी नामदेव ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से डेंगू से बचाव को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पानी की टंकियों को ढक कर रखें, गमलों के नीचे रखे बर्तनों के पानी को निरंतर सुखाकर, घरों में पानी कहीं जमा न होने दें। पुराने टायर, बर्तनों आदि को हटा दें और बचाव के लिए दरवाजों, खिड़कियों में जाली लगवाएं, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करने से बीमारी से बचा जा सकता है। इसको लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

डेंगू की रोकथाम को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

जन्म लेते ही बेटी का खुला सुकन्या समृद्धि खाता

कटनी। बेटियों का भविष्य सुरक्षित करने शुरू की गई प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ देने के उद्देश्य से शासन स्तर पर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके परिणाम स्वरूप जिले का नाम पूरे देश में हो रहा है। इसी क्रम में डाक विभाग के अफसरों ने जिला अस्पताल में जन्मी सतीश जैन की बेटी का खाता खोलकर उसके भविष्य को सुरक्षित करने का काम किया। डाक विभाग के अफसरों ने बेटी को गोद में उठाकर उसे कपड़े दिए और माला पहनाकर उसका सम्मान भी किया। इस दौरान जिला अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ भी मौजूद रहा। पोस्ट मास्टर नारायण सिंह ठाकुर ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में जिला स्तर पर अभियान चलाकर केवल 40 दिनों में 31904 बेटियों के योजना के तहत खाते खोले गए हैं। जिले भर में सुकन्या समृद्धि योजना की खोले गए थे जबकि आगामी वर्ष 2021-22 में 1 लाख खाता खोलने का लक्ष्य रखा गया है। श्री ठाकुर के मुताबिक 40 दिनों में बड़ी संख्या में खोले गए खातों के बाद पूरे भारत में इसकी चर्चा हो चुकी है और यह देश मे रिकॉर्ड भी कायम करने में जिला प्रशासन सफल हुआ है। उसको लेकर जिले के अधिकारी सम्मानित भी हो चुके हैं। योजना के सफल क्रियान्वयन में महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग की एवं भूमिका रहती है, जिनकी मदद से अस्पतालों में संपर्क कर एवं घरों में संपर्क कर बेटियों के भविष्य को उज्जवल बनाने के उद्देश्य सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ देने का प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान डाक विभाग के विनोद कुमार गौतम, उमा दत्त तिवारी, कृष्ण कुमार पांडे, शैलेष पाठक मौजूद रहे।

डाक विभाग के अफसरों ने अस्पताल में जन्मी बेटी का किया सम्मान

आधुनिक हिन्दी गद्य को गढ़ने का किया था काम, पहला ही उपन्यास रहा बहुचर्चित

हिन्दी को ऊंचाइयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा जिले के साहित्यकार ठा. जगमोहन सिंह का

कटनी। जिले की माटी में जन्में उच्चकोटी के विद्वानों का याद किया जाए या साहित्य साधना पर नजर डाली जाए तो विजयराघवगढ़ के राजघराने के ठा. जगमोहन सिंह को भुलाया नहीं जा सकता है। उनकी साहित्य साधना ने हिन्दी साहित्य को ऊंचाईयों में ले जाने का कार्य किया है। विद्वान भारतेन्दुरु हरिशचंद्र जैसे देश के साहित्य साधक उनके साथी रहे हैं और उन्होंने भी उनकी लेखनी की सराहना की थी। ठा. जगमोहन सिंह ने जहां आधुनिक हिन्दी गद्य को गढ़ने का काम किया तो वर्ष 1988 में आया उनका पहला ही हिन्दी उपन्यास श्यामा स्वप्न बहुचर्चित उपन्यास रहा। तत्कालीन विजयराघवगढ़ रियासत के राजकुमार ठा. जगमोहन सिंह का जन्म 4 अगस्त 1857 को हुआ था। शिक्षा के लिए 9 वर्ष की आयु में बनारस के क्वीन्स कालेज में भर्ती कराया गया। यहीं से उनकी साहित्यिक प्रतिभा का उदय हुआ और भारतेन्दु हरिश्चन्द से मित्रता हुई, जो प्रगाढ़ मैत्री में बदलकर आजीवन कायम रही। जिले के वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र सिंह बताते हैं कि अपनी शिक्षा पूर्ण कर गृहनगर विजयराघवगढ़ लौटने पर श्री सिंह ने झपावन नदी के किनारे भारत बाग नामक सुन्दर उद्यान लगवाया और इसके बीच में शांति कुटीर के नाम से छोटी सी कोठी बनवाई, जिसमें बैठकर वे साहित्य साधना करते थे। समय-समय पर साहित्यिक मित्र तो उनसे मिलने आते ही थे, भारतेन्दु हरिशचंद्र भी बनारस से चलकर अपने मित्र से मिलने और शांति कुटीर में कई दिन रहकर साहित्य साधना करते थे। भारतेन्दु की एक रचना में जबलपुर यात्रा का उल्लेख है, जो मूलतः विजयराघवगढ़ की ही यात्रा थी।

भारतेन्दुरु हरिशचंद्र भी मिलने आते थे विजयराघवगढ़ की शांति कुटीर में

कालीदास के मेघदूत व ऋतु संहार का हिन्दी में उत्कृष्ट अनुवाद

साहित्यकार ठा. जगमोहन सिंह ने जहां हिन्दी साहित्य को नया आयाम देने में योगदान प्रदान किया, तो वहीं कालीदास के संस्कृत में लिखे गए साहित्य मेघदूत और ऋतु संहार का भी उन्होंने हिन्दी में उत्कृष्ट अनुवाद किया। जिससे लोगों को कालीदास की रचना को हिन्दी में समझने का अवसर मिला। अंग्रेज सरकार ने उन्हें धमतरी में तहसीलदार के पद पर पदस्थ किया था। छत्तीसगढ़ में रहते हुए उन्होंने वहां के साहित्यकारों का भी एक मंडल बनाया और स्थानीय हिन्दी साहित्य को नई दिशा देने का कार्य किया। ठा. जगमोहनसिंह का निधन वर्ष 1899 में इस संसार को अलविदा कह गए लेकिन हिन्दी साहित्य के लिए उनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा।

वेक्सीनेशन महाअभियान को लेकर समीक्षा बैठक

डोर टू डोर संपर्क कर वेक्सीनेशन के लिए किया जाएगा प्रेरित

कटनी। 17 सितम्बर को सम्पूर्ण प्रदेश के साथ ही जिले में भी कोविड-19 वेक्सीनेशन का महा-अभियान संचालित होगा। जिले के अधिक से अधिक नागरिकों को यह सुरक्षा कवच मिले, इस दिशा में जिला प्रशासन द्वारा मुस्तैदी से कार्य किया जा रहा है। सोमवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में टीका संवाद का आयोजन भी सम्पूर्ण जिले में हुआ। टीका संवाद के दौरान मिले फीडबैक का रिव्यू कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में किया। इस दौरान विधायक संदीप जायसवाल, पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव और पीताम्बर टोपनानी भी उपस्थित रहे। बैठक में विधायक ने नगर निगम क्षेत्र में निगम प्रशासन के अमले की टीम बनाकर डोर टू डोर संपर्क करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा कि जिन क्षेत्रों में मजदूर वर्ग निवास करता है, वहां पर सुबह से ही टीकाकरण का कार्य प्रारंभ हो और देर शाम तक भी टीकाकरण का कार्य किया जाये। मानव संसाधन के प्रबंधन पर भी विशेष फोकस करने की बात विधायक ने कही। श्री जायसवाल ने कहा कि जिन टीकाकरण केन्द्रों में भीड़ हो, वहां पर अतिरिक्त मैनपावर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाये। रिव्यू मीटिंग में कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्पष्ट लहजे में पूरी टीम को निर्देश दिये कि टीकाकरण हमारी प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन। टीका संवाद के माध्यम से सभी संबंधित क्षेत्रों के लिये हमने जोनल अधिकारी तैनात कर दिये हैं। आपकी जिम्मेदारी है कि आप प्लान बनायें। अपने-अपने क्षेत्रों में सही जगहों पर टीकाकरण केन्द्र स्थापित करें। सही और सटीक कम्युनिकेशन प्लान आपका तैयार हो और वैक्सीनेशन महा-अभियान के दिन एसडीएम से समन्वय कर आवश्यकता होने पर अतिरिक्त वेक्सीनेशन डोज मंगाने की आप व्यवस्था करें। टीकों का सुगमता से मूवमेन्ट हमारे लिये जरुरी है। वेक्सीनेशन रजिस्टर को लेकर भी सीधे निर्देश कलेक्टर ने दिये। उन्होने कहा कि बेहतद ढंग से वेक्सीनेशन रजिस्टर बनाना जरुरी है। इसे आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अनिवार्य बनाया जाये। ब्लॉकस्तरीय संकट प्रबंधन समूह की जवाबदेही की बात भी मीटिंग में श्री मिश्रा ने कही। उन्होने कहा कि वीसीएम से निर्णय लेकर अधिक से अधिक केन्द्र बनायें। प्रत्येक ब्लॉक हॉस्पिटल में कोविड टीकाकरण का कार्य जारी रहेगा, यह सुनिश्चित किया जाये। हर ब्लॉक मुख्यालय पर पर्मानेन्ट टीकाकरण केन्द्र होना चाहिये। बैठक के प्रारंभ में संबंधित अधिकारियों से पृथक-पृथक टीका संवाद का फीडबैक भी कलेक्टर श्री मिश्रा ने लिया। उन्होने कहा कि हमारी मेहनत और हमारी अच्छी प्लानिंग से अपना लक्ष्य हम अवश्य हासिल करेंगे। इस अवसर पर बैठक में सीईओ जिला पंचायत जगदीश चन्द्र गोमे और अपर कलेक्टर रोमोनुस टोप्पो सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

लोगों को मिला रोजगार, पर्यावरण की भी होगी सुरक्षा

ग्राम पंचायत घुघरा में मनरेगा योजना में 11 दिन में रोपे 12 सौ बांस के पौधे

सुरक्षा के भी किए गए उपाय, जल्द पंचायत में लहलहाएंगे पौधे

कटनी। कोरोना संक्रमण काल मजदूर परिवारों के लिए भले ही घातक रहा हो, लेकिन राज्य शासन ने कोरोना काल में भी गांव-गांव मनरेगा योजना के तहत रोजगार उपलब्ध कराकर लोगों को रोजगार से जोड़े रखा। दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी प्रदेश शासन लगातार काम कर रही है और अधिक से अधिक पौधे रोपण का कार्य किया जा रहा है।

खुद प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी रोजाना एक पौधा रोपने का संकल्प ले रखा है। इसको ध्यान में रखकर जिले में भी मनरेगा योजना के तहत जहां

मजदूर वर्ग को रोजगार से जोड़ने का कार्य लगातार जारी है, तो वहीं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी जिला प्रशासन कार्य कर रहा है। जिले की ग्राम पंचायत घुघरा में मनरेगा योजना के तहत मजदूरों को रोजगार दिलाने का कार्य किया गया। 11 दिन में 12 सौ बांस के पौधे रोपकर उनके संरक्षण का कार्य किया गया। जिससे एक ओर गांव के अकुशल मजदूरों को रोजगार उपलब्ध हुआ, वहीं दूसरी ओर बांस के रोपे गए 12 सौ पौधों को संरक्षित करने का कार्य भी किया जा रहा है। उम्मीद है कि बारिश का मौसम समाप्त होते तक बांस के पौधे लहलहाने लगेंगे और उससे गांव का वातावरण भी शुद्ध होगा।

89 मजदूरों को मिला रोजगार, मजदूरी का हुआ भुगतान

सीईओ जिला पंचायत जगदीश चंद्र गोमे के निर्देश पर घुघरा ग्राम पंचायत में 5 वर्षीय योजना के अंतर्गत 9 लाख 82 हजार रूपये की लागत से बांस रोपण का कार्य कराया जा रहा है। मनरेगा अधिकारी रीठी अजीत सिंह के अनुसार कार्य के प्रथम चरण में 11 दिन में 89 मजदूरों को जहां रोजगार उपलब्ध कराया गया, तो वहीं 6 लाख 86 हजार 944 रूपये की मजदूरी का भुगतान कराया गया। मजदूरों ने 11 दिन में स्थल को समतल करने के साथ ही गड्ढे करने और 12 सौ बांस के पौधे रोपने व सुरक्षा का कार्य किया। प्रोजेक्ट में रोपे गए अधिक से अधिक पौधे जीवित रहें, इसका प्रयास किया जा रहा है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला कटनी (म.प्र.)

पत्र क्रमांक 4659/खनिज/2021 कटनी, दिनांक 25/8-2021

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री जहान सिंह पिता श्री तामसिंह पटेल निवासी ग्राम पाकर, पो. चांदनखेडा तह. बहोरीबंद जिला कटनी (नाम एवं पता) द्वारा उत्खनिपट्टा/ पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लाग हो) प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 22.03.2021 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 1763 दिनांक 16.06.2021 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः विज्ञापन प्रकाशित होने से 15 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपटा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायग।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकवा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
कटनी	बहोरीबंद	झरौली	600	1.00	शासकीय भूमि	गिट्टी, पत्थर	
			कुल रकबा	1.00			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यह प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा), जिला कटनी

G-16802-21 दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला कटनी (म0प्र0)

पत्र क्रमांक 4703 /खनिज/2021 कटनी, दिनांक 03/09/2021

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेसर्स/श्री/शम्भू प्रकाश जोशी निवासी मल भण्डार शहडोल (नाम एवं पता) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनाक 05.07.2021 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 2180 दिनाक 22.07.2021 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः विज्ञापन प्रकाशित होने से 15 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकवा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
कटनी	वि0गढ	भैसवाही	2381	4.00	शासकीय भूमि	मुरूम	
			कुल रकबा	4.00			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम,1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यह प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला कटनी

G-16803/21

1800 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 15 लीटर अवैध शराब जप्त

स्लीमनाबाद क्षेत्र अंतर्गत आबकारी विभाग की कार्रवाई

कटनी। जिले में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन, विक्रय और निर्माण की रोकथाम के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को भी आबकारी अमले द्वारा स्लीमनाबाद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर दबिश दी गई। जिला आबकारी अधिकारी अनिल जैन ने बताया कि सोमवार को की गई इस कार्रवाई के दौरान विभागीय अमले द्वारा स्लीमनाबाद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेगवां, तेवरी भटिया, शंकर जी की भटिया बिचुओ, कारीपाथ एवं धरवारा में जांच की गई। इस दौरान कुल 1800 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 15 लीटर अवैध हाथभट्ठी मदिरा भी जप्त किया गया है। वहीं संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबाकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क एवं च के तहत 10 न्यायालयीन प्रकरण भी पंजीबद्ध किये गये हैं। इस दौरान मौके पर जप्तशुदा लाहन का सैम्पल लेकर उसे नष्ट करने की कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में जप्त किये गये महुआ लाहन तथा मदिरा शराब की अनुमानित कीमत 92 हजार 250 रुपये है।

साथियों सहित पुलिस की गिरफ्त में आया बुर्का पहनकर चोरी करने वाला बदमाश

मोबाइल फोन, जेवर, नगदी सहित चोरी करने के उपयोग का सामान बरामद

कटनी/रीठी। रीठी पुलिस ने एक ऐसे चोर व उसके साथियों को गिरफ्त में लिया है जो महिलाओं के पहनने वाला बुर्का पहनकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। गिरफ्तार किए गए चोरी के आरोपियों ने पूछताछ में पांच चोरियों का खुलासा किया है। जिसके बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर एक मोबाइल फोन, सोने-चांदी के जेवरात व 11,600 रूपए नगद सहित लगभग 50 हजार रूपए कीमती मसरूका बरामद किया है।

गौरतलब है कि जिले की कमान संभालने के बाद से ही पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन के द्धारा थाना प्रभारियों को चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने व चोरी के पुराने मामलों की पतासाजी कर उनका खुलासा करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक श्री जैन के इन्ही निर्देशों तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया व उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय शानिली परस्ते के मार्गदर्शन में रीठी थाना प्रभारी सतीश कुमार तिवारी व उनकी पुलिस टीम को चोरी की पांच वारदातों से पर्दा उठाने में सफलता मिली है। पुलिस ने गतदिवस संदेह के आधार पर ग्राम कुम्हारी निवासी 45 छप्पन

रीठी पुलिस ने किया 5 वारदातों का खुलासा

भूमिया, 23 वर्षीय हिमांचल मेहरा व हिकमत अमली को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने थाना रीठी एवं थाना रैपुरा जिला पन्ना क्षेत्र में 05 स्थानों में कुम्हारी निवासी जित्तू बसोर के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया है। आरोपियों में से एक आरोपी हिमाचल मेहरा कुछ दिन पूर्व ही थाना रैपुरा के एक चोरी के मामले मे 03 साल की सजा काट बाहर आया है। आरोपियों के पास से एक मोबाइल फोन कीमती 3000 रुपये, सोने-चांदी के जेवरात की कीमती 34000 रुपये एवं नगदी 11,600 रूपए सहित 48000 रुपये का कीमती सामान बरामद किया गया है। इसके अलावा आरोपियो के कब्जे से एक सायकल, एक लोहे का राड, एक कटर एवं एक महिलाओं के पहनने वाला कपड़े का बुर्का भी जप्त किया गया है।

बताया जाता है कि आरोपी छप्पन चोरी करते समय बुर्का पहनता था। प्रकरण मे एक आरोपी जित्तू बसोर फरार है। जिसकी लगातार तलाश की जा रही है। चोरी की वारदातों को सुलझाने में रीठी थाना प्रभारी सतीश तिवारी, सलैया चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक जी.पी.शुक्ला, सहायक उपनिरीक्षक नरेन्द्र सिह बघेल, प्रधान आरक्षक भोले शंकर, जयचंद व लखन पटेल की भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को पुरूस्कृत करने की घोषणा की है।

मुड़वारा स्टेशन पर बनाया गया नया टॉवर वेगन

कटनी। पश्चिम मध्य रेल में ओएचइ रखरखाव के समय और निरीक्षण के लिये टावर वैगन की उपयोगिता अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इसका उपयोग नियमित रूप से किया जाता है। टावर वैगन की विश्वसनीयता और उपलब्धता सुनिश्चित करना एवं उचित रखरखाव बहुत आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि टॉवर वैगन एक महत्वपूर्ण वाहन है, जिसमें 8 व्हीलर डीजल इलेक्टिंक टॉवर कार डीईटीसी, 4 एक्सल दोनो दिशाओं वाला और दोनों सिरों पर ड्राइविंग केबिन है। जिसका उपयोग समय-समय पर निरीक्षण, गश्त और रखरखाव के लिए किया जाता है। इस टॉवर वैगन कार का मुख्य कार्य ओवर हेड उपकरणों पर कर्षण तार का रखरखाव करना, सभी ओएचई पैरामीटर के मेजरमेंट, खराब उपकरणों पर ध्यान देना, क्षतिग्रस्त ओएचई की बहाली, पुनर्स्थापन उपकरण आदि को ठीक करना है।इसके अलावा इसका उपयोग मास्ट को स्थापित करने में, केटेनरी एवं कांटेक्ट तार को लगाने के लिए भी किया जाता है। टावर वैगन कार के द्वारा चालू लाइन मे भी निरीक्षण किया जा सकता है। पमरे के जबलपुर मंडल में शत प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है। विद्युतीकृत खण्ड के रखरखाव के लिए अलग-अलग मुख्य स्टेशनों पर मेन्टेनेन्स डिपो है। इन डिपो में टॉवर वैगन उपलब्ध हैं। पमरे में पहले से ही तीन नए टॉवर वैगन क्रमशः ब्यौहारी, मझगवां एवं सराईग्राम में कमीशन किए गए है। इसके साथ-साथ एक और टॉवर वेगन कटनी मुड़वारा स्टेशन पर कमीशन होने से मुख्य सेक्शन कटनी मुड़वारा-बीना रेल खण्ड एवं कटनी-न्यू कटनी जंक्शन क्षेत्र पर ओएचई लाइन के रखरखाव एवं असामान्य घटना में कम समय लगेगा एवं सेक्शन में ओएचई स्टॉफ के घटना स्थल पर पहुंचने में तीव्रता एवं सुगमता मिलेगी। टॉवर वैगन एक सेल्फ प्रपाल्ड है तथा इसकी अधिकतम गति 100 किलोमीटर है। विद्युतीकृत खण्ड में दुर्घटना के समय तथा ओ.एच.ई. के रखरखाव में टॉवर वैगन की अहम भूमिका है। ओएचई के नियमित निरीक्षण, क्षतिग्रस्त ओ.एच.ई. को सहीं करने तथा छोटी लम्बाई के केटेनरी तथा कॉन्टेक्ट वायर बिछाने के कार्य में इसका उपयोग किया जाता है।

ओएचई लाइन के रखरखाव में मिलेगी मदद, आपात स्थिति में जल्द घटनास्थल पहुंचेगा ओएचई स्टॉफ

आकस्मिक निरीक्षण पर कटनी पहुंचे नवागत आईजी जोगा

बैठक लेकर पुलिस अधिकारियों को दिए लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण के निर्देश

कटनी। जबलपुर रेंज के नवागत पुलिस महानिरीक्षक उमेश जोगा सोमवार की दोपहर आकस्मिक निरीक्षण पर कटनी पहुंचे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया व नगर पुलिस अधीक्षक शशिकांत शुक्ला ने स्वागत किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उपस्थित पुलिस अधिकारियों, थाना प्रभारियों से आईजी ने परिचय प्राप्त किया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार बैठक लेकर पुलिस अधिकारियों को लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सरकारी स्कूलों में कल होगी अभिभावक शिक्षक बैठक

कटनी। जिले के सभी सरकारी स्कूलों में कल 15 सितंबर से 17 सितंबर तक अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया जाएगा। बताया जाता है कि विद्यार्थियों की पढ़ाई की निरंतरता बनाए रखने और अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच सक्रिय संवाद स्थापित करने के लिए सरकारी स्कूलों में अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की जा रही है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी कोरोना के कारण से शैक्षणिक सत्र में विलंब हुआ है। कोरोना के प्रभाव से विद्यार्थियों की शैक्षणिक व्यवस्था के साथ सारा समाज प्रभावित हुआ है। ऐसे समय मे विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का माहौल बनाने में शिक्षक और अभिभावकों का सहयोग अपेक्षित है। विद्यार्थियों के अभिभावकों से अभिभावक-शिक्षक बैठक में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। अभिभावक-शिक्षक बैठक के दौरान नए सत्र में कक्षा के पाठ्यक्रम को नियत समयावधि में पूरा करने, घर में विद्यार्थियों की पढ़ाई निरंतर रखने और नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में शिक्षण व्यवस्था के संबंद्ध में अभिभावकों को अवगत कराया जाएगा। इस सत्र में विद्यार्थियों का रिजल्ट बेहतर लाने में अभिभावकों की भूमिका के संबंद्ध में भी चर्चा की जाएगी।

खुद को गोली मारने वाले युवक की जबलपुर में मौत

मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान तोड़ा दम,पारिवारिक कलह के चलते उठाया था आत्मघाती कदम

कटनी। कोतवाली के नईबस्ती संतनगर में खुद को गोली मारने वाले 40 वर्षीय युवक की सोमवार की दोपहर जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में उपचार दौरान मौत हो गई। गौरतलब है कि स्लीमनाबाद थाना अंतर्गत ग्राम खिरहनी निवासी 40 वर्षीय रजनीश पिता राजाराम टीपा नईबस्ती संतनगर क्षेत्र में किराए के मकान में रहता था। बीते शुक्रवार की दोपहर रजनीश टीपा पलंग में लेटा और कंबल ओढ़ने के बाद सीने में देशी कट्टे से खुद को सीने में गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर पड़ोसी के घर बाहर निकले। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही खिरहनी पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक प्रीती पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और गोली लगने से घायल रजनीश टीमा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जिला चिकित्सालय में प्रारंभिक उपचार के बाद रजनीश की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो चिकित्सकों ने उसको गहन उपचार के लिए जबलपुर रिफर कर दिया गया। जिसके बाद उसको जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोष मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि मेडिकल में उपचार के बाद भी रजनीश की स्थिति नहीं सुधरी और सोमवार की दोपहर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि रजनीश की पत्नी डेढ़ साल अपने मायके सिहोरा में रह रही है। उसके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा पिता रजनीश के साथ ही रहता है जबकि छोटा बेटा मां के साथ रहता है। पुलिस को संभावना है कि पारिवारिक कलह के कारण उसने गोली चलाई है। पुलिस ने रजनीश के विरूद्ध धारा 309 सहित अवैध रूप से देशी कट्टा अपने पास रखने के आरोप में 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया था।

भाजपा मीडिया प्रभारी को शुभकामनाएं

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर की अनुसंशा पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने सक्रिय एवं कर्मठ भाजपा नेता एवं पत्रकार आशुतोष शुक्ला को कटनी जिला भाजपा का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। नियुक्ति के बाद भाजपा कार्यालय में पूर्व मंत्री एवं विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने नये दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। अन्य भाजपाजनों ने भी मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

तलाश में भटक रहीं पुलिस की टीमें

गिरफ्तारी तो दूर पुलिस अभिरक्षा से भागे साले व ससुर की हत्या के आरोपी का सुराग तक नहीं लगा पा रही पुलिस

कटनी। झिंझरी स्थित जेल में तबियत बिगड़ने के बाद जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया हत्या व हत्या के प्रयास के आरोपी देवी सिंह के द्धारा अपने दो साथियों की मदद से हथकड़ी तोड़कर व पुलिस को चकमा देकर फरार होने के मामले में पुलिस को अब तक सफलता नहीं मिली है। पुलिस ने देवी सिंह सहित पुलिस अभिरक्षा से भागने में उसकी मदद करने वाले दो साथियों की गिरफ्तारी तो दूर पुलिस अब तक उनका सुराग भी नहीं लगा सकी है। यह बात और है कि पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया के दिशा निर्देश तथा नगर पुलिस अधीक्षक शशिकांत शुक्ला के मार्गदर्शन में कोतवाली प्रभारी अजय बहादुर सिंह अपनी टीम के साथ आरोपियों को गिरफ्त में लेने हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। गौरतलब है कि मूलतः सागर जिला निवासी 30-32 वर्षीय देवी पिता शंकर सिंह विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम पड़खुरी में सन 2016 में हुए तिहरे हत्याकांड का आरोपी था। देवी सिंह ने अपने सास, ससुर व दो सालों पर जानलेवा हमला किया था। जिसमें ससुर व दो सालों की मौत हो गई थी जबकि सास गंभीर रूप से घायल हो गई थी। देवी सिंह तभी से झिंझरी जेल में बंद था। देवी सिंह की तबियत खराब होने के कारण उसकों पिछले गुरूवार की सुबह जिला अस्पताल में पुलिस अभिरक्षा में भर्ती कराया गया था। इसीदौरान देररात देवी सिंह अपने दो साथियों की मदद से सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर व हथकड़ी तोड़कर फरार हो गया। देवी सिंह के फरार होने की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई है। पुलिस ने देवी सिंह सहित उसके दो साथियों के विरूद्ध धारा 224,34 के तहत मामला दर्ज करते हुए उसकी तलाश शुरू की लेकिन पुलिस को अब तक देवी सिंह व उसके साथियों को गिरफ्तार करने में सफलता नहीं मिली है। कोतवाली प्रभारी अजय बहादुर सिंह के मुताबिक पुलिस की अलग-अलग टीमें देवी सिंह को साथियों सहित गिरफ्त में लेने हरसंभव प्रयास कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन ने पुलिस अभिरक्षा से भागने की इस घटना को गंभीरता से लिया था तथा जिला अस्पताल में देवी सिंह की सुरक्षा में तैनात पुलिस लाइन के सहायक उपनिरीक्षक संतोष स्वामी, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक भरत कुमार विश्वकर्मा, आरक्षक विवेक मिश्रा व नितिन रजक को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए पूरे मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया को सौंपी है।

सिटी मॉल बरही रोड में

राजनेता जयललिता के जीवन पर आधारित फिल्म

रोजाना 3 शो
ता. 10 से
दोपहर 12.30,3.30
एवं 6.30 बजे से

कलाकार- कंगना रणावत, अरविंद स्वामी, भाग्यश्री, मधु आदि।

थलाइवी

(हिन्दी में)

नोट- सिनेमा हॉल परिसर में कोविड-19 नियमों का पालन करें, खुद एवं दूसरों को सुरक्षित रखें। मास्क एवं सेनेटाईजर उपयोग करते रहें।

सिटी मॉल बरही रोड में

हालीवुड की हॉरर फिल्म

रोजाना 3 शो
ता. 10 से
दोपहर 1,4 एवं
7 बजे से

कलाकार- एनेबल वॉलिस, जेक एबेल, जार्ज यंग, मेडी हसन आदि।

MALIGNANT

(हिन्दी में)

नोट- सिनेमा हॉल परिसर में कोविड-19 नियमों का पालन करें, खुद एवं दूसरों को सुरक्षित रखें। मास्क एवं सेनेटाईजर उपयोग करते रहें।

CITY Mall

EVERYTHING UNDER ONE ROOF

ASSOCIATED WITH

BIG BAZAAR, Reliance digital, TRENDS, PLANET FASHION, U-TURN, BOLSA, CITY PRIDE Cinema, Food Junction, HOTEL GRAND MERIDIAN, FLAVOURS, GRAVITY

City Mall, Near Main Railway Station, Barhi Road, Katni (M.P)
Phone : +91 7622 422406, email : citymallkatni@gmail.com

PRE. REGISTRATION सांईनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग/ श्री हास्पिटल

सर्व सुविधायुक्त कॉलेज हॉस्टल एवं बस की सुविधा उपलब्ध

पाठयक्रम	योग्यता	कोर्स अवधि	उम्र
एएनएम	12वीं पास (किसी भी विषय)	2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
जीएनएम	12वीं पास (किसी भी विषय)	3 वर्ष	17 वर्ष-35 वर्ष
बीएससी (नर्सिंग)	12वीं पास (बायो.)	4 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
पोस्ट बेसिक बीएससी	जीएनएम पास	2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
एमएससी (साइकेट्री)	बीएससी नर्सिंग पास	2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
एमएससी (कम्युनिटी ऑफ नर्सिंग)		2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर

नोटः- एसटी/एसटी/ओबीसी छात्र-छात्राओं को म.प्र. शासन के नियमानुसार शिक्षण शुल्क लाभ प्राप्त करें

इंडियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली म.प्र. नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल भोपाल से मान्यता प्राप्त

श्री हास्पिटल एम.एम. चौबे वार्ड, एनएच-7 बरगवां, कटनी मो. 8962262200, 9425325316, 9752414318

पोस्ट कोविड समस्याओं के सही इलाज के लिए मिलें Pulmonologist

डॉ. स्मिता बजाज

MBBS, DTCD, CCEDM

टी.बी., दमा, श्वास, खांसी, एलर्जी एवं डायबटीज स्पेशलिस्ट

मौसम बदलने पर बार-बार खांसी आना, साल भर सर्दी बने रहना, एलर्जी की शिकायत होना एवं नींद में सीटी की आवाज आना

नोट- स्पायरोमीटरी (फेफड़ों की कम्प्यूटरीकृत जांच) एवं (एलर्जी टेस्टिंग) की सुविधा उपलब्ध है।

संपर्क करे- डॉ. राजीव बजाज (शिशु रोग विशेषज्ञ)

कन्हैया हास्पिटल, माई नदी के पास बरही रोड, कटनी
फोन-07622-236253, मो. 6266203009

PRE. REGISTRATION
सांईनाथ इंस्टीट्यूशन/ श्री हास्पिटल

सर्व सुविधायुक्त कॉलेज हॉस्टल एवं बस की सुविधा उपलब्ध

पाठयक्रम	योग्यता	कोर्स अवधि	उम्र
डी.एल.एड.	12वीं पास (किसी भी विषय)	2 वर्ष	17 वर्ष से उपर
बी.ए.बी.एड.	12वीं पास (किसी भी विषय)	4 वर्ष	17 वर्ष से उपर
बीएससी बीएड	12वीं पास (विज्ञान/गणित)	4 वर्ष	17 वर्ष से उपर

एन.सी.टी.ई. नई दिल्ली म.प्र. एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर व माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल

नोटः- एसटी/एसटी/ओबीसी छात्र-छात्राओं को म.प्र. शासन के नियमानुसार शिक्षण शुल्क लाभ प्राप्त करें

श्री हास्पिटल एम.एम. चौबे वार्ड, एनएच-7 बरगवां, कटनी मो. 8962262200, 9425325316, 9752414318

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666
फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)